



भारत का घाजीपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 59]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 18, 1982/माघ 29, 1903

No. 59] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 18, 1982/MAGHA 29, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारता विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1982

का०आ० 85(अ).—नारियल विकास बोर्ड, नारियल विकास बोर्ड
अधिनियम, 1979 (1979 का 5) की धारा 20 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित
विनियम बनाता है, अर्थात्—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1 संबन्ध नाम, प्रारम्भ और लागू होना.—(1) इन विनियमों
का संक्षिप्त नाम नारियल विकास बोर्ड विनियम, 1982 है।

(2) ये गजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषा।—इन विनियमों में, जब तक कि सदर्भ या विषय के
विचार कोई वाल न हो,—

(क) “अधिनियम” से नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979
(1979 का 5) अभिप्रेत है,

(ख) “मुख्य नारियल विकास अधिकारी” से बोर्ड का मुख्य नारियल
विकास अधिकारी अभिप्रेत है,

(ग) “समिति” से ग्राहितियम वी धारा 9 के अधीन बोर्ड द्वारा
नियुक्त ही गैर कोर्ट समिति अभिप्रेत है,

(घ) “नियम” मे नारियल विकास बोर्ड नियम 1981 अभिप्रेत है;

(ङ) “सचिव” से बोर्ड का सचिव अभिप्रेत है;

(च) “धारा” से ग्राहितियम की धारा अभिप्रेत है;

(छ) “उपाध्यक्ष” से बोर्ड का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ज) ऐसे अन्य शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित
नहीं हैं किन्तु अधिनियम मे परिभाषित हैं, वे ही अर्थ
होंगे जो अधिनियम मे त्रैश उनके हैं।

अध्याय 2

बोर्ड की समितियां

3. समितियों की नियुक्ति.—(1) बोर्ड, प्रत्येक वर्ष, नारियल विकास
बोर्ड अधिनियम, 1979 की धारा 9 मे यथा उपबन्धित, निम्नलिखित
समितिया और ऐसी अन्य समितिया नियुक्त कर सकता है जो
बोर्ड अपनी ऐसी जितियों के प्रयोग और ऐसे कृत्यों के निवहन के लिए,
आवश्यक समझे जा उसे इन विनियमों के अधीन प्रत्यायाजित किया जाए,
अर्थात्—

(क) कार्यपालक समिति, जिसमे निम्नलिखित होंगे—

- (i) अध्यक्ष जो समिति का पदन अध्यक्ष होगा,
- (ii) उपाध्यक्ष,

- (iii) केरल, तमिलनाडू और कर्नाटक राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन मदम्य जो अधिनियम भी धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (छ) के अधीन नियुक्त किए गए हों;
- (iv) शान्त ग्रन्थ मदम्य जो द्वारा के मदम्यों द्वारा प्राप्तने मदम्यों में निर्वाचित किए गए हों और जिनमें से वाँ उगाने वालों के प्रतिनिधि होंगे।
- (ख) अनुसंधान और विज्ञान समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे,—
- अध्यक्ष जो समिति का पदन अध्यक्ष होगा,
 - उपाध्यक्ष,
 - नारियल उगाने वालों का प्रतिनिधित्व करने वाले बाईं के नवीनी चारा मदम्य जो अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (झ) के अधीन नियुक्त किए गए हों,
 - मुख्य कृषि विशेषज्ञ, भारत सरकार, पदन,
 - निदेशक, केन्द्रीय बाधान फसल संस्थान, पदन;
 - चार अन्य व्यक्ति जो बाईं द्वारा ऐसे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों से हों, जो बाईं के मदम्य नहीं हैं या तेसी संस्थाओं से जिनका प्रतिनिधित्व बाईं में नहीं है, सहयोजित किए जाएंगे परन्तु यह कि ऐसे सहयोजित व्यक्तियों को मतदान का अधिकार नहीं होगा।
- (ग) प्रसरकरण और विषयन समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे—
- अध्यक्ष जो गर्मानि का पदन अध्यक्ष होगा,
 - उपाध्यक्ष,
 - बाईं आ मदम्य जो अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (छ) के अधीन नारियल प्रसरकरण उद्योग, का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया हो,
 - श्रद्धदा कांपर बोईं पदन;
 - चार मदम्य, जो शोईं द्वारा प्राप्तने मदम्यों में से निर्वाचित किए जाएंगे और जिनमें से वाँ उगाने वालों के प्रतिनिधि होंगे,
 - चार अन्य व्यक्ति, जो बाईं के मदम्य न हों, बाईं द्वारा (1) भारत सरकार के कृषि मन्त्रालय के कृषि और संस्थानों विभाग, (2) राष्ट्रीय गहकारिणा विकास निगम निमिट्ट, (3) केंद्रीय राज्य नारियल विकास निगम लिमिटेड, और (1) भारत सरकार के विषयन नियोजन और नियंत्रण विभाग का प्रतिनिधित्व करने के लिए गहयोजित किए जाएंगे, परन्तु यह कि ऐसे महत्वयोजित व्यक्तियों को मतदान का अधिकार नहीं होगा।
- (घ) प्रचार समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे—
- अध्यक्ष, जो समिति का पदन अध्यक्ष होगा;
 - उपाध्यक्ष,
 - तीन मदम्य जो अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (छ) के अधीन करन, तमिलनाडू और कर्नाटक सरकारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किए गए हों;
 - तीन मदम्य जो बाईं द्वारा निर्वाचित द्वारा नियुक्त किए गए हों और जिनमें से एक उगाने वालों का प्रतिनिधि होगा;

(व) चार ऐसे अन्य व्यक्ति, जो बोईं के मदम्य न हों, बोईं द्वारा (1) भारत सरकार के कृषि मन्त्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग (2) ऐसे मदम्यों, जो कृषि मन्त्रालय जानकारी में लगे हैं, का प्रतिनिधित्व करने के लिए गहयोजित किए जाएंगे परन्तु यह कि ऐसे नियंत्रण व्यक्तियों को मतदान का अधिकार नहीं होगा।

(2) बोईं का अध्यक्ष, जो प्रत्येक समिति का पदन अध्यक्ष है, बाईं के किसी अधिकारी या किसी अधिकारियों से समिति के किसी अधिकारी विषय में उपस्थित होने की अपेक्षा कर सकता है परन्तु यह नि नियंत्रण व्यक्तियों/अधिकारियों को मतदान का अधिकार नहीं होगा।

4 तस्मियों के हृत्य —(क) कार्यपालक समिति,—ऐसे नियंत्रण और शर्तों के, जो बोईं अधिरोपित करें, अधीन रहते हुए, अनुसंधान और विज्ञान समिति, प्रणालीन, वित्त और अन्य मामलों में मवत्रित बाईं के नियंत्रण के कृत्यां का नियंत्रण करेंगी जो बोईं उसे समनुदिष्ट करें।

(ख) अनुसंधान और विकास समिति —ऐसे नियंत्रण और शर्तों के, जो बोईं अधिरोपित करें, अधीन रहते हुए, अनुसंधान और विज्ञान समिति, भारत में नारियल की खट्टी और नारियल लय क्षेत्रों के विकास, जिनके अन्तर्गत नारियल सम्बन्धी कृषि और ग्रीष्मांशुको अवसराएँ तथा समर्थन भी है, से संबंधित बोईं के ऐसे कृत्यों का नियंत्रण करें, जो बाईं उसे समनुदिष्ट करें।

(ग) प्रसंस्करण और विषयन समिति —ऐसे नियंत्रण और शर्तों के, जो बोईं अधिरोपित करें, अधीन रहते हुए, प्रसंस्करण और विषयन समिति, नारियल और उसके उत्पादों के प्रसंस्करण और (भारत उद्यान विधिवाल और उपोन्याद उपयोग, श्रेणीवारण, भंडारण और सहकारिणा विकास से संबंधित बोईं के ऐसे कृत्यों का नियंत्रण करें, जो बाईं उसे समनुदिष्ट करें।

(घ) प्रचार समिति :—ऐसे नियंत्रण और शर्तों के, जो बाईं अधिरोपित करें, अधीन रहते हुए, प्रचार समिति, नारियल उत्पादों के वित्त और ग्रामांश से सबविधि बोईं के नियंत्रण करें, जो बाईं उसे समनुदिष्ट करें।

5. उपसमिति . बोईं द्वारा नियुक्त की गई कोई समिति परन्तु नदम्यों में से, किसी विनियोजित विषय पर जांच करने और रिपोर्ट देने के लिए या बोईं द्वारा उसे अधिवित कृत्यों के विस्तार के भीतर नियंत्रण व्यक्तियों की नियुक्ति कर सकती है।

अध्याय 3

बोईं और उसकी समितियों के अधिकारों की प्रक्रिया

6. बोईं का अधिकारत . बोईं प्रत्येक नियमाली में कम न कम एक बाईं अपना अधिकारत ऐसी नारीख पर और ऐसे रातान पर जो अध्यक्ष उचित समझे, करेगा और किसी दो सामान्य अधिकारियों के बीच का अन्तराल, किसी भी व्यापा में, चार मास से अधिक नहीं होगा।

परन्तु बोईं, किसी विणियोजित नियमाली में केन्द्रीय सरकार को अनुजा में अधिकारत नहीं भी कर सकता है।

7. अधिकारत बुलाने की शक्ति —(1) अध्यक्ष किसी भी समग्र बोईं या उसकी किसी समिति का अधिकारत बुला सकता है और वह ऐसा तब करेगा जब, बोईं के अधिकारत जो व्यापा में, कम से कम श्राठ नदम्य और समिति के अधिकारत की दशा में कम से कम न, उनका, किसी अधिकारत के लिए विशेष रूप में अधिकारत प्रस्तुत करें।

(2) अध्यक्ष, बोईं के किसी अधिकारी द्वारा किसी भी अधिकारियों में उपस्थित होने की अपेक्षा कर सकता है किन्तु ऐसे अधिकारियों को मतदान का अधिकार नहीं होगा।

• (3) बोर्ड के किसी अधिवेशन के कम से कम चौदह पूर्ण दिन पूर्व और किसी समिति वे अधिवेशन वे कम से कम दो पूर्ण दिन पूर्व आशयित अधिवेशन वी तारीख समय और स्थान की मिलिश द्वारा उत्तराधिकारित सूचना प्रदर्श्य सरकार वी भंडी जागी और प्रशास्त्रित याइ ता समिति वे प्रत्येक नवस्थ के एत पर छोड़ा ता भंडी जागी ।

परन्तु अत्याकृषकता वाली दशाओं में वोट अधिकार पड़ या अधिक ममिति/ममितियाँ वा विशेष अधिकैशन किसी भी भवय अधिकैश हाग मूलाया जा सकता जो अग्रिम रूप में केन्द्रीय संज्ञार और सदस्यों का विचार-विमर्श के लिए विधय वस्तु वाली और उन शारणों की जिनमें वह ऐसा अत्याकृषक अधिकैशन मूलाना चाहता है भवता दगा। ऐसे विशेष अधिकैशन में किसी गामाल्य कारबूर का सव्यवित्त नहीं किया जाता।

(1) इन विनियमों में रिसा वात के द्वारा द्वारा भी उद्दीप मरकार भी विसी समय वार्द राष्ट्रधिवेशन बला मकती है।

९ गणपति — (1) बोई औ किसी शक्तिशाली में किसी कारबाह का सत्यवहार लेव नहीं किया। जगता जब नव कि उनमें कम से कम शाठ सदस्य उपस्थित न हो और किसी गामत के किसी शक्तिशाली में किसी कारबाह का सत्यवहार लेव नहीं किया जाएगा। जब नक कि समिति था गठन करने वाले कम से कम चार मदस्य उपस्थित न हो।

(२) यदि विस्तो समय इसी नमिति के प्रतिवेशन में उत्पन्न नहिं हो तो सक्ता प्रधानिक गणराज्य में कम है तो अधिकारा करने वाला अन्तिम उग तारीख तक जो अधिकारी की नामिति में नाम दिन के पश्चात् की न हो, स्थगित कर दगा और रथ्यवित्त अधिकारी की भागीदारी, समय और स्थान की सूचना नमिति के सदस्यों का देंगा और यदि ऐसे स्थगित अधिकारी बोगान में उपस्थित सदस्यों की सभ्या प्रधानिक गणराज्य में कम है तो इस प्रकार उपस्थित सदस्यों में ही गणराज्य होगा।

१ नमिनि के अधिवेशनों में अन्तर्प्रस्थिति समिति के पद्धति नामस्य में भिन्न काई मदस्य राइ अध्यक्ष की शक्तिमति है। तबा तीन अधिवेशनों से अन्तर्प्रस्थिति रहता है तो वह उग नमिनि वा मदस्य नहीं रह जाएगा।

१० ग्राहकस्मिक रिक्तियों वा भर्या जाना (१) किसी समिति की भद्रत्यता में किसी ग्राहकस्मिक रिक्ति वो समिति के अवशेष भद्रत्या द्वारा बाईं के सदस्या में से भर्या जाएगा।

(२) किसी आकस्मिक गिरि भ नियुक्त किया गया व्यक्ति नद्र नक पद धारण करेगा जब तक कि वह सदम्प यदि गिरि न होती तो पद धारण करने का अक्षदार होता। जिसके स्थान का वह मरना है।

11 अधिवेशनों की अध्यक्षन। —अप्रथम, बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन की ओर सर्वानियों वे उग अधिवेशन की जिसमें थह उपनियन त्रै अध्येता रखेगा और उसकी अतपास्थिति में उपाध्यम अध्यक्षन करेगा यदि अव्यवहार और उपाध्यक्ष दानों प्राप्तियाँ हैं तो अधिवेशन म उपनियन सबस्य अधिवेशन त्रै अध्यक्षना रखने वे लिए जापते में में किसी एक मदद्य का निर्वाचन करेंगे।

12 कार्ययुक्त — (1) अध्यक्ष दोहरे वा किसी समिति के मामान्य अधिवेशन के कम से कम वस विन पूर्व उस अधिवेशन में सव्यवहार्य कार्रार की एक सूची लेयार करायगा और उसे केंद्रीय मरकार वा बोर्ड के वा किसी ऐसी समिति के सदस्यों में परिचालित करायगा ।

१३. परिचालन द्वारा कारबार —(१) कोई कारबार जिसका बोर्ड या किसी समिति द्वारा मन्त्रवहार किया जाना है यदि बोर्ड या समिति का अध्यक्ष गेंगे निवेश दे ता एमे मदम्यो का (उन मदम्यो से मिल जो भारत से अनुपस्थित हैं) कांगड़ाती के परिचालन द्वारा निविदित किया जा सकता है।

(१) उप विनियम (१) के अधीन परिचालित और उन सदस्यों के बहुमत द्वारा जिन्होंने लिखित रूप में अपने विचार अभिलिखित किए-

है अनुभवोंदित क्षोर्य न स्नाव या सकल्प उसी प्रकार प्रभावी और मांबद्धकारी द्वारा। मानो ऐसे प्रस्ताव या सवाल जिसी अधिक्षेत्र में सदगयी के बद्दमत डारा विनिश्चित किया गया है।

परन्तु नम जब कि प्रायस्मिति बाड़ के वर्ष में उन आए वदयों ने २०
गमिति के रस में वर्ष चार महस्या न उभ प्रस्ताव या भक्त ए पर अपने
विचार अभिनिवित किए हों परन्तु यह और कि जब ताई
प्रस्ताव या सकल्प परिचालन द्वारा महस्यों को निर्दिष्ट फृण्या जाता
है तो यथास्थिति थोड़े पाच गवर्स या किसी गमिति के तीन वदय,
यह अपदा कर राजन है कि प्रस्ताव या सकल्प प्रतिवेशन में महस्यों का
निर्दिष्ट किया जाए और तदुन्नर पाणा निरेंग प्रगतिगति, थोड़े ग्रा किसी
गमिति के प्रतिवेशन में किया जाए।

(३) जब वाई कारबार यमस्थिति आई था तिर्थी मामति के गद्यपा वो परिचालन द्वारा निकल्प किया जाता है तब गद्यपी में उत्तर प्राप्त करन के लिए कल्प में कम पञ्चल पूर्ण दिनों की अवधि अनुशासन वो जाएगी और श्रावक वो गणता उत्तर सारोक्त्र में की जाएगी जिस तरीक फ़ाइर-बार की सुचना जानी की जाती है।

(4) याद कर्दा प्रस्ताव या गठक परिवर्तन किया जाना है तो परिवर्तन का परिणाम बोई तो सबैद ममिति के सभी नाम्पणे का सम्मिलन किया जायगा।

(६) काशकाला के परिचारक द्वारा भ्रातृ मध्ये विनिष्टय या प्रश्न, प्रमिलेख के लिए ध्यानप्रियता प्राप्त हो जाती है अगले अविवेगन में रखे जाएंगे।

14 बारबार का अभिनेत्र — (1) मचिव बाई य, नमिनि हाँग
मध्यवहून कारबार की सभी मदो रु पर्मिनेत्र खेला। और तेसे ग्रामसेय
की प्रतिया केन्द्रीय भृत्याकार को भेजी जाएगी।

(२) ग्राह प्रौढ़ किसी भी समिति को प्रत्यक्ष बैठन मध्यपवहन कारबाह के अभिलेख पर, अध्ययन या उपाधन या ऐसे प्राप्तगत का अध्यक्षता वर्तन वाला सदस्य हस्ताक्षर करेगा।

(३) अब फिरो भारतवार का मध्यवर्ती राजगति का पर्वतान्त्र दर्शकिया जाना है तब इस प्रकार मध्यवर्ती कांवरा के ग्रन्थोंव पर अध्ययन हस्ताक्षर देंगा।

१६ मनदान —(१) बाईं का उम्रका असावधि के नन्हे तारा
गण प्रस्तुक प्रण का निर्देशन उम्र अधिकारीन में किसमे बालवा लाधा
जाना है उपस्थित और मनदान कर ह एव्वला कहुमत भाग सिया।
जल्पा।

(2) मनों के समान हात की दशा में यदायित गाइ वा गर्मन क अधिक्षय वा उपाध्यय वा प्रधायक्षा कर रहे ध्योक्त वा एक वा तिण्युक्त मत होगा ।

१६ पुनरीक्षण केन्द्रीय मरकार आरपो को लेवरवर्ड करता, वाई या उसकी समितियों के विनियोग वा पुनरीक्षण कर गक्की है और मासने में ऐसे अधिकार प्राप्ति कर सकती है जो वह दीक समझे।

(2) कन्द्रीय मण्डार, उपविनियम (1) के ग्रहणी पारित प्रत्येक आदेश की एक प्रति बोर्ड को भेजेगा।

(3) यथापूर्वोक्त अदिषं की एक प्रति प्राप्त होन पर, बोर्ड उक्त प्रावेण के विरुद्ध केन्द्रीय सरकार का अध्यावेदन कर मक्का है आगे केन्द्रीय सरपार अध्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् उपरिनिम (1) न अधीन पार्गित अदिषं का या वा इदं, उपलिख्य या पुष्ट वर्ण मक्की है या उस सामले की आवत् ऐसी अत्यं व्याख्याही कर मक्की है जो सामले को सभी परिस्थितिया वा ध्यान में रखते हुए उगको गय मे उचित वा समीक्षीत हो।

CHAPTER 4

कर्मचारियों की सेवा शर्ते

17. बेनन छुट्टी और भत्ते आदि बोर्ड के सभी कर्मचारियों के सम्बन्ध में बेनन, छुट्टी, भत्ते, पेशन और सेवानिवृत्ति फायदे अन्य सेवा शर्तें तथा अन्य प्रमुखधारणाएँ और रिपायर्टें जैसे कि बेनन अग्रिम, सवारी के क्रय के लिए अग्रिम गृहों के सम्बन्धिण और वैसी ही अन्य ऐसे नियमों या विनियमों के अनुसार विनियमित की जाएंगी जो रात्रमध्य केन्द्रीय सरकार के उन इवानों पर दिए रखकर श्रेष्ठियों या प्रास्तिकानि के अधिकारियों और कर्मचारियों दो लागू हों जब तक कि बोर्ड पृथक् विनियम नहीं बना लेता।

18. अन्ती विनियम नारियल विकास बोर्ड नियम 1981 के नियम 18 के अधीन रहते हए नारियल विकास निदेशालय में विनियम प्रवर्गों पदों के लिए, मतों नियम बोर्ड के अधीन वैसे ही या समान पदों के प्रवर्गों में नियुक्ति के लिए लागू होगी जब तक कि कोई पृथक् भर्ती नियम नहीं बना लेते परन्तु ऐसे प्रवर्गों के लिए जो नारियल विकास निदेशालय में विद्यमान प्रवर्गों जैसे ही या उनके अनुहृत नहीं हैं बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्व त्रिवृदादेन से जैसे और जब उन पदों का सूचन किया जाता है या सूचन के दिए प्रस्तावित किया जाए भर्ती विनियम बना गकेगा।

[फाइल संख्या 14-14/81-सी०ए-1]

द्रारो सी० सूद, अपर सचिव

**MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture & Cooperation)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th February, 1982

S.O. 85(E).—In exercise of the powers conferred by section 20 of the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979), the Coconut Development Board with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER - I

Preliminary

1. Short title, Commencement and application.—(1) These regulations may be called the Coconut Development Board Regulations, 1982 ;

(2) They shall come into force on the date of their publication in Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless there is anything repugnant in subject or context.

- (a) 'the Act' means the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979);
- (b) 'Chief Coconut Development Officer' means the Chief Coconut Development Officer of the Board;
- (c) 'Committee' means any Committee appointed by the Board under section 9;
- (d) 'rules' means the Coconut Development Board Rules, 1981;
- (e) 'Secretary' means the Secretary of the Board;
- (f) 'section' means the section of the Act;
- (g) 'Vice-Chairman' means the Vice-Chairman of the Board;
- (h) The words and expressions used and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER-II

Committees of the Board

3. Appointment of Committees.—(1) The Board may appoint every year, as provided in section 9 of the Coconut Development Board Act, 1979, the following Committees and may appoint such other Committees as the Board deems necessary to exercise such powers and discharge such functions as may be delegated to it under these regulations, namely :—

- (a) an Executive Committee consisting of :—
 - (i) the Chairman who shall be the ex-officio Chairman of the Committee;
 - (ii) a Vice-Chairman;
 - (iii) three members representing the Government of the States of Kerala, Tamil Nadu and Karnataka appointed under clause (g) of sub-section (4) of section 4 of the Act;
 - (iv) three other members elected by the members of the Board from amongst themselves of whom, two shall be representatives of growers.
- (b) a Research and Development Committee consisting of :—
 - (i) the Chairman who shall be the ex-officio Chairman of the Committee;
 - (ii) a Vice-Chairman;
 - (iii) all the four-member of the Board representing coconut growers appointed under clause (i) of sub-section (4) of section 4 of the Act;
 - (iv) the Chief Agricultural Expert to the Government of India; Ex-Officio;
 - (v) the Director, Central Plantation Crops Research Institute; Ex-Officio.
 - (vi) four other persons to be co-opted by the Board from amongst experts and scientists who are not members of the Board, or from institutions which are not represented on the Board provided that such co-opted persons shall have no right to vote.
- (c) a Processing and Marketing Committee consisting of :—
 - (i) the Chairman who shall be the ex-officio Chairman of the Committee;
 - (ii) a Vice-Chairman;
 - (iii) the member of the Board representing the coconut processing industry appointed under clause (j) of sub-section (4) of section 4 of the Act;
 - (iv) the Chairman of the Coir Board; Ex-officio;
 - (v) four members elected by the members of the Board from amongst themselves of whom two shall be representatives of growers;
 - (vi) four other persons to be co-opted by the Board to represent (1) the Department of Agriculture and Cooperation in the Ministry of Agriculture, Government of India (2) the National Cooperative Development Corporation Ltd. (3) the Kerala State Coconut Development Corporation Ltd., and (4) the Directorate of Marketing and Inspection, Government of India, who are not members of the Board provided that such co-opted persons shall have no right to vote.
- (d) a Publicity Committee consisting of :—
 - (i) the Chairman who shall be the ex-officio Chairman of the Committee;
 - (ii) a Vice-Chairman;
 - (iii) three members representing the Governments of Kerala, Tamil Nadu and Karnataka appointed under clause (g) of sub-section (4) of section 4 of the Act;
 - (iv) Three members apointed by the Board by election of whom one shall be representative of growers.

- (v) four other persons to be co-opted by the Board to represent (1) the Department of Agriculture and Cooperation in the Ministry of Agriculture, Government of India (2) such organisations as are engaged in Agricultural Information who are not members of the Board provided that such co-opted persons shall not have the right to vote.
- (2) The Chairman of the Board who is the ex-officio Chairman of every Committee may require any officer or officers of the Board to attend any meeting of the Committee but such officers shall have no right to vote.
- 4 Functions of the Committees.—(a) Executive Committee.—Subject to such restrictions and conditions as may be imposed by the Board, the Executive Committee shall discharge such functions of the Board relating to the administration, finance and other matters as may be assigned to it by the Board.
- (b) Research and Development Committee.—Subject to such restrictions and conditions as may be imposed by the Board, the Research and Development Committee shall discharge such functions of the Board relating to the development of coconut cultivation and coconut small holdings in India including promotion of agricultural and technological research on coconut as may be assigned to it by the Board.
- (c) Processing and Marketing Committee.—Subject to such restrictions and conditions as may be imposed by the Board, the Processing and Marketing Committee shall discharge such functions of the Board relating to processing and marketing of coconut and its products, product diversification and by-product utilisation, grading, storage and cooperative development as may be assigned to it by the Board.
- (d) Publicity Committee.—Subject to such restrictions and conditions as may be imposed by the Board, the Publicity Committee shall discharge such functions of the Board relating to the publications and dissemination of information on all aspects of coconut industry as may be assigned to it by the Board.

5. Sub-Committee.—A committee appointed by the Board may appoint a Sub-Committee from among its members for enquiring and reporting on any specified subject or any other purpose within the scope of the functions allotted to it by the Board.

CHAPTER—III

Procedure for Meetings of the Board and its Committees

6. Meeting of the Board.—The Board shall hold a meeting at least once in every quarter on such dates and at such places as the Chairman may think fit, and the interval between any two ordinary meetings shall not in any case be longer than four months.

Provided the Board may, with the permission of the Central Government, hold no meeting in any particular quarter.

7. Power to call Meetings.—(1) The Chairman may at any time, call a meeting of the Board or of any of the Committees, and shall do so if a requisition for a meeting is presented to him in writing by at least eight members in the case of a meeting of the Board and at least four members in the case of a meeting of a Committee.

(2) The Chairman may require any officer or officers of the Board to attend any meeting of the Board but such officers shall not have the power to vote.

(3) At least fourteen clear days before any meeting of the Board and at least ten clear days before a meeting of any of the Committees notice of the date, time and place of the intended meeting signed by the Secretary shall be sent to the Central Government and left at or posted to the address of every member of the Board or, as the case may be, of the Committee.

Provided that in case of urgency, a special meeting of the Board or of any or more of the Committees may be summoned at any time by the Chairman, who shall inform in advance, the Central Government and the members, of the subject-

matter for discussions and the reasons for which he considers the summoning of such urgent meeting. No ordinary business shall be transacted at such special meetings.

(4) Notwithstanding anything contained in these regulations, the Central Government may also, at any time, call a meeting of the Board.

8. Quorum.—(1) No business shall be transacted at a meeting of the Board unless there are present at least eight members and no business shall be transacted at a meeting of a Committee unless there are present at least four members constituting the Committee.

(2) If at any time the number of members present in a meeting of any of the Committees is less than the required quorum, the person presiding shall adjourn the meeting to a date not later than seven days from the date of the meeting informing the members of the Committee of the date, time and place of the adjourned meeting, and if the number of members present at such adjourned meeting is less than the required quorum, the members so present shall be the quorum.

9. Absence from meetings of a Committee.—Any member other than an ex-officio member, of a Committee absenting himself from three consecutive meetings without the leave of the Chairman shall cease to be a member of that Committee.

10. Filling up of casual vacancies.—(1) Any casual vacancy in the membership of a Committee shall be filled up by the remaining members of the Committee from amongst the members of the Board.

(2) A person appointed in a casual vacancy shall hold office so long as the member whose place he fills would have been entitled to hold office, if the vacancy had not occurred.

11. Presiding over Meetings.—At every meeting of the Board or any of the Committees at which he is present, the Chairman shall preside and, in his absence, the Vice-Chairman shall preside. If both the Chairman and the Vice-Chairman are absent, the members present at the meeting shall elect one from among themselves to preside at the meeting.

12. Agenda.—(1) The Chairman shall cause to be prepared and circulated to the Central Government and among the members of the Board or any of the Committees at least ten days before any ordinary meeting of the Board or of such Committee, a list of business to be transacted at that meeting.

13. Business by circulation.—(1) Any business which is to be transacted by the Board or a Committee may if the Chairman of the Board or of the Committee so directs be referred to members (other than members who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any proposal or resolution circulated under sub-regulation (1) and approved by the majority of members who have recorded their views in writing shall be a. effectual and binding as if such proposal or resolution were decided by the majority of the members at a meeting.

Provided that at least eight members of the Board or four members of the Committee as the case may be have recorded their views on the proposal or resolution.

Provided further that when a proposal or resolution is referred to the members by circulation, any five members, of the Board or three members of any of the Committees, as the case may be, may require that the proposal or resolution be referred to members at a meeting, and thereupon such reference shall be made to members at a meeting of the Board or of the Committee, as the case may be.

(3) When any business is referred to members of the Board or of the Committee, as the case may be, by circulation a period of not less than fifteen clear days shall be allowed for receipt of replies from members. Such period shall be reckoned from the date on which the notice of business is issued.

(4) If a proposal or resolution is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the members of the Board or of the Committee concerned.

(5) All decisions on questions arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting of the Board or of the Committee, as the case may be for record.

14. Record of Business.—(1) A record shall be maintained by the Secretary of all items of business transacted by the Board or by the Committees and copies of such record shall be forwarded to the Central Government.

(2) The record of business transacted at every meeting of the Board and of any of the Committees shall be signed by the Chairman or the Vice-Chairman or the member presiding at such meetings.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman.

15. Voting.—(1) Every question brought before any meeting of the Board or its Committees shall be decided by a majority of members present and voting at the meeting before which the matter is brought.

(2) In the case of an equality of votes, the Chairman or the Vice-Chairman or the members presiding over the meeting of the Board or of the Committee, as the case may be, shall have a second or casting vote.

16. Revision.—(1) The Central Government may, for reasons to be recorded in writing, review any decision of the Board, or its Committee and pass such order in the matter as it thinks fit.

(2) A copy of every order passed under sub-regulation (1) shall be sent to the Board by the Central Government.

(3) On receipt of a copy of the order as aforesaid, the Board may make a representation to the Central Government against the said order and the Central Government may alter considering the representation, either cancel, modify or confirm the order passed by it under sub-regulation (1), or take

such other action in respect of the matter as may, in the opinion of the Central Government, be just or expedient having regard to all the circumstances of the case.

CHAPTER IV Service Conditions of Employees

17. Pay, leave, and allowances etc.—The pay, leave, allowances, pension and retirement benefits, other conditions of service and other facilities and concessions such as advances of pay, advances for purchase of conveyances, construction of houses and the like, in respect of all employees of the Board, shall be regulated in accordance with such rules and regulations as are for the time being applicable to officers and employees of the Central Government of the corresponding grades or status stationed at these places till separate regulations are made by the Board.

18. Recruitment regulations.—Subject to rule 18 of the Coconut Development Board Rules, 1981, the recruitment rules for the different categories of posts in the Directorate of Coconut Development shall apply for appointment to the same or similar categories of posts under the Board till separate recruitment rules are framed by the Board.

Provided that for the categories of which are not similar to the existing ones in the Directorate of Coconut Development recruitment regulations shall be framed by the Board, with the prior approval of the Central Government as and when such posts are created or proposed to be created.

[F. No. 14-14[81-CAI]

R. C. SOOD, Addl. Secy.